

प्रेषक,

डी०एस० गब्याल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 19 मई, 2016

विषय:—श्री केदारनाथ यात्रा मार्गों पर अवस्थित विभिन्न पड़ावों तथा कैम्प में यात्रियों की आवासीय एवं भोजन की व्यवस्था के संचालन हेतु गढ़वाल मण्डल विकास निगम को राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-21/2-7-27/2015-16, दिनांक 25 अप्रैल, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में केदारनाथ यात्रा मार्गों पर अवस्थित विभिन्न पड़ावों तथा कैम्प में यात्रियों की आवासीय एवं भोजन की व्यवस्था के संचालन हेतु गढ़वाल मण्डल विकास निगम को ₹ 100.00 लाख की तात्कालिक आवश्यकता के दृष्टिगत राज्य आकस्मिकता निधि से ₹ 100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि०वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री की प्रयोग में लायी जाये।
- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।
- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31 मार्च, 2017 तक अवश्य कर लिया जाय।

- ix. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- x. कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्रथमतया "8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि लेखा-201 समेकित निधि को विनियोजन" तथा अन्ततः अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन विकास परिषद-00-20-सहायक अनुदान /अंशदान/राज सहायता मानक मद के नामे डाला जायेगा

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-75/XXVII(2)/2016, दिनांक 17 मई, 2016 में दी गई सहमति से निर्गत की जा रही है।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.1.60.59.90.00 द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(डी0एस0 गर्ब्याल)  
सचिव।

वित्त विभाग

संख्या:-125/XXVII(1)/रा0आक0निधि/2016, दिनांक 18 मई, 2016

प्रतिलिपि महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(अभिषेक स्वामी)  
अपर सचिव, वित्त।

संख्या:- 837 /VI(1)/2016-03(14)/2016, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 5- जिलाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
- 6- प्रबन्ध निदेशक, गढ़वाल मण्डल विकास निगम लि0, देहरादून।
- 7- वित्त अनुभाग-2/वित्त अनुभाग-1. उत्तराखण्ड शासन।
- 8- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(गरिमा रौकली)  
संयुक्त सचिव।